पेहेले आप पेहेचानो

पेहेले आप पेहेचानो रे साधो, पेहेले आप पेहेचानो।
बिना आप चीन्हें पारब्रह्म को, कौन कहे मैं जानो।।

पीछे ढूंढ़ो घर आपनों, कौन ठौर ठेहेरानो।
जब लग घर पावत नहीं अपनों, सो भटकत फिरत भरमानो।।

पांच तत्व मिल मोहोल रच्यो है, सो अंत्रीख क्यों अटकानो।
याके आस पास अटकाव नहीं, तुम जाग के संसे भानो।।

नींद उड़ाए जब चीन्होंगे आपको, तब जानोगे मोहोल यों रचानो।
तब आपै घर पाओगे अपनों, देखोगे अलख लखानो।।

बोले चाले पर कोई न पेहेचाने, परखत नहीं परखानों।
महामत कहे माहें पार खोजोगे, तब जाए आप ओलखानो।।